अनुबंध IV

शाखा का नाम :

बैंक का नाम :

ब्लाक

नाम :

जिला :

राज्य :

माह 20 ---------- के लिए प्रगति रिपोर्ट

ऋणों की संख्या - वास्तविक* ₹ लाख

क्रम सं.	बचत खातों के साथ एसएचजी की संख्या			इस माह में क्रेडिट-सहलग्न एसएचजी						बकाया ऋण	
	पिछले माह तक कुल बचत खाते	इस माह में खोले गए नए खाते	संचयी	नए ऋण		दुबारा ऋण		संचयी			
				ऋणों की संख्या	संवितरित राशि*	ऋणों की संख्या	संवितरित राशि*	ऋणों की संख्या	संवितरित राशि*	ऋणों की संख्या	संवितरित राशि*
	1(क)	1(ख)	1(ग)= 1(क) + 1(ख)	2(क)	2(ख)	3 (क)	3 (ख)	4(क)=2(क)+3(क)	4(ख)=2(ख)+3(ख)	5(क)	5(ख)

**** नए ऋण : प्रथम सहलग्न ऋणों को नए ऋण के रूप में माना जाए***

**** दूसरे और तीसरे सहलग्नता की दुबारा वित्त के अंतर्गत गणना की जाए***

****बकाया ऋण 5(क) और 5 (ख) में माह में संवितरित संचयी ऋण अर्थात् 5(क) = 4(ख) + पिछले माह तक बकाया ऋण शामिल होगा।***